निर्यात पर अंकुश के बावजूद चीनी की कीमतें स्थिर रहने के आसार

रॉयटर्स
मुंबई, 26 मई

चीनी निर्यात सीमित करने के लिए उठाए गए कदम के बावजूद देश में चीनी के दाम स्थिर रहने की संभावना है, क्योंकि रिकॉर्ड निर्यात और दमदार स्थानीय मांग के बीच स्टॉक पांच साल के सबसे निचले स्तर तक पहुंचने वाला है। उद्योग के अधिकारियों ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी।

स्थानीय कीमतें अधिक होने से बलरामपुर चीनी, श्री रेणुका शुगर्स, डालमिया भारत शुगर और द्वारिकेश शुगर जैसे चीनी उत्पादकों का मार्जिन बरकरार रहेगा और इससे किसानों को समय पर गन्ने का भुगतान करने में उन्हें मदद मिलेगी।

भारत ने मंगलवार को छह साल में पहली बार चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक जैन ने कहा कि इन प्रतिबंधों की वजह चीनी की कीमतों में गिरावट आने की संभावना नहीं है, क्योंकि दमदार घरेलू मांग और रिकॉर्ड निर्यात के कारण स्टॉक कम हो गया है।

सरकार का अनुमान है कि 1 अक्टूबर को नए विपणन वर्ष के आरंभ में चीनी का शुरुआती स्टॉक गिरकर 62 लाख टन रह सकता है, जो पांच साल में सबसे कम होगा।

सरकार द्वारा प्रतिबंधों की घोषणा किए जाने के बाद से मुंबई में चीनी की कीमतों में केवल 0.3 की गिरावट आई है।